दिनांक 20/7/2021 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय था "आजादी का अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला पुष्प 2 भारतीय संस्कृति में भारत दर्शन।" संरक्षक के रूप में अग्रवाल प्रबंध समिति के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य और कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ कृष्ण कांत गुप्ता के संरक्षण में यह वेबीनार आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगराम सिंह उत्तर क्षेत्र संयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के उच्चारण के साथ हुआ समर्पण योग क्लब के सलाहकार डॉ बांके बिहारी ने मुख्य अतिथि का प्राचार्य का एवं समस्त प्रतिभागियों का अभिवादन किया। तत्पश्चात हिंदी प्रवक्ता मधु सिंगला ने अपनी कविता के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विचारधारा को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता ने अतिथि महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रकृति की मूल प्रवृत्ति की संस्कृति और प्रकृति का मूल विखंडन ही विकृति है।

मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के उत्तर क्षेत्र के संयोजक जगराम सिंह गुरु जी ने कहा कि संस्कृति व संस्कार सभी राष्ट्र का परिष्कार संभव है। उन्होंने चारों आश्रम ब्रह्मचर्य गृहस्थ वानप्रस्थ सन्यास तथा 16 संस्कारों का विस्तृत उल्लेख करते हुए वर्तमान समय में बदलते जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने जीवन का उत्थान करना है तो अपनी संस्कृति व संस्कारों को अपनाना होगा। कार्यक्रम का समापन डॉक्टर जयपाल सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से पूर्ण हुआ।